

कार्ल एरकि मुलर के लथोग्राफ

स्रोत: पी.आई.बी

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (Indira Gandhi National Centre for the Arts- IGNCA) के संरक्षण और अभलिखागार प्रभाग ने अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस (2 मई) के अवसर पर 'पीपल एंड प्लेसेज़ ऑफ इंडिया- ए रेट्रोस्पेक्ट' नामक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

- प्रदर्शनी में IGNCA अभलिखागार से **जर्मन कलाकार कार्ल एरकि मुलर** के लथोग्राफ प्रदर्शित किये गए।
- मुलर की ये कृतियाँ **1970 के दशक** में रोजमर्रा की जदिगी के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती हैं जिनमें मजदूर, परिवहन श्रमिक, कारखाने के कर्मचारी और अपने प्राकृतिक वातावरण में मछुआरे शामिल हैं।
- मुलर की कृतियाँ **IGNCA, NGMA (नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट)** और भारत कला भवन में रखी गई हैं।
- अपने लथोग्राफ में उन्होंने सामान्य जीवन के सार को समाहित किया तथा इस बात पर जोर दिया कि सभी अभिव्यक्तियों को पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती।
- **IGNCA** की **स्थापना वर्ष 1987** में **संस्कृत मंत्रालय** के तहत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गई थी।
 - इसे **कला के क्षेत्र** में अनुसंधान, अकादमिक खोज और प्रसार केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था।

और पढ़ें: [इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/lithographs-of-karl-erich-muller>